www.maharashtrac
Email : editor@maharashtracrimes.in
www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष २० | अंक ०९ | मुंबई, ०५ जूलै २०२१ | पृष्ठ : ८ | कीमत : ५ रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षीत खारघर

पुलीस की वजह से बन रहा है अस्वच्छ, कुरुप और असुरक्षित खारघर

शत्रुघ्न माली
(वरिष्ठ पुलीस निरिक्षक खारघर पुलीस थाना)

संवाददाता : २१ सदी के शहर निर्माण का श्रेय सिडको का जाता है। सिडकोने नवी मुंबई का निर्माण किया उसमे सर्वाधिक सुंदर उपनगर खारघर नाम शिर्षस्थान पर है। नवी मुंबई में यदी घर लेने की जब भी कोई सोचता है तो उसके मन में सर्वप्रथम खारघर ही होता है। अमिबा की तरह फैला यह उपनगर बेलापूर से तलोजा कामोठे की सीमा को टकराता है। यहाँ पहले खारघर ग्रुप ग्रामपंचायत थी। लेकीन पनवेल नगरपरिषद का विस्तार होकर पनवेल महानगर पालिका का निर्माण हुआ उस समय खारघर उपनगर को भी सामिल

"कोई शराब क्षेत्र नही" खारघर बन गया है शराब की विक्री का महाक्षेत्र

किया गया। खारघर क्षेत्र पनवेल महानगर पालिका का गौरव माना जाता है। यहाँ की प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक होता है। वर्षा ऋतुमें यहाँ पर कई जगह पर पहाडोंसे गिरता झरना देखने और उसका आनंद लेने हेतू मुंबई, थाणे, रायगड परिसर के लोग अपने परिवार के साथ आते है। पांडवकडा नामक झरने का दृष्य तो मनमोहक होता है। यहाँ कई युवक–युवतीयाँ इस प्राकृतिक झरने में स्नान का आनंद लेने हेतू दूरदूर से आते है। लेकीन हर साल शराब पीकर दु:सहासी लोगोंकी यहाँ मौत होती है।

*(No Liquer Zone) होते हुए की ऐसी अप्रिय घटनाएँ होती है।

❊ ऐसी अप्रिय घटनाओंको जैसे शराब पिनेवाले जिम्मेदार है। कैसे स्थानिय खारघर पुलीस भी जिम्मेदार है।

❊ हमने देखा है की सीबीडी बेलापूर से खारघर जानेवाली सीमा पर खारघर पुलीस तैनात होती है। लेकीन कभी भी यह नही देखा गया की साशंकीत वाहन या व्यक्ती की तलाशी की जा रही हो। सिर्फ हेल्मेट ना पहनने वाले दुपाहिया वाहन चालकोंको दंडीत किया जाता है।

यहाँपर खारघर टेकडी नामक एक प्रसिद्ध परिसर है। वहाँ लोग सुबहशाम मॉर्निंग वॉक, इव्हिनिंग वॉक के जिऐ जाते है। लेकीन कुछ लोग

(शेष पृष्ठ ८ पर)

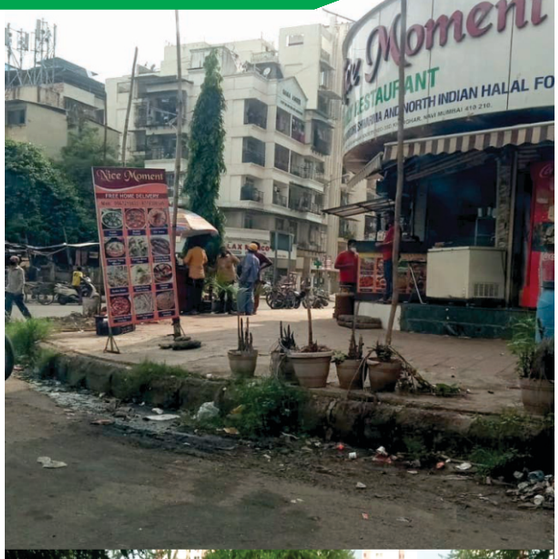

जूलै का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आपकी दिनचर्या धीमी रहेगी कार्य व्यवसाय की मुश्किलों का कहीं से कोई हल ना मिलने के कारण सोच में डूबे रहेंगे। घर मे भी निराशा में आकर किसी की मामूली बात पर झगड़े पर उतारू हों जाएंगे। धर्म कर्म के प्रति आस्था तो रहेगी लेकिन लालच में आकर पाप कर्म मे जल्दी भटक सकते है धर्म कर्म भले ही ना करें पर आज अनैतिक कार्यो से बचकर रहे अन्यथा दंड तुरंत मिलेगा। दोपहर बाद से स्थिति में सुधार आएगा व्यवसायी वर्ग को गलत मार्ग से धन कमाने के अवसर मिलेंगे ये आगे के लिये लाभदायक ही रहेंगे लेकिन आज की जगह कल से करना अधिक बेहतर रहेगा। परिवार में भाई बंधु के गलत व्यवहार से मन आहत हो सकता है। माता अथवा ननिहाल पक्ष से मान हानि होने की सम्भवना है। सेहत में थोड़ा सुधार दिखने पर लापरवाही करेंगे जिससे दोबारा खराब हो सकती है।

वृषभ = (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, व)

इस आपको सभी सुख सुविधा मिलने पर भी असंतोष की भावना से ग्रस्त रहेंगे। दिन के आरंभ में कुटुम्बीजन के ऊपर अकारण ही भड़केंगे जिससे घर का वातावरण कुछ समय के लिये अशांत बनाएंगे इसके कारण जो आपकी मदद करने के लिये विचार कर रहे थे वह भी अंत समय मे पीछे हट जाएंगे। लेकिन सार्वजिनक व्यवहार आज किसी न सि रूप में काम आ ही जायेगा घर मे ना सही बाहर के लोग समय पड़ने पर अपने सामर्थ्य अनुसार मदद कर देंगे। कार्य क्षेत्र पर जैसी उम्मीद लगाए थे वैसा व्यवसाय नही मिलेगा उधारी लेने वाले हावी रहेंगे लेकिन देने वाले आगे के लिये टरकाने से आर्थिक संतुलन गड़बड़ ही रहेगा। आर्थिक कारणों से आज किसी न किसी से कलह होकर ही रहेगी आवेश को नियंत्रण में रखे अन्यथा बात ज्यादा बिगड़ने पर आगे के लिये नुकसान देगा। नौकरी पेशाओ को मनमर्जी कार्य करने पर कड़वी बाते सुनने को मिलेंगी। सेहत में थोड़ी बहुत नरम गरमी लगी रहेगी फिर भी इस वजह से काम नही रुकेंगे।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

इस माह में मन मे यात्रा की योजना बनेगी लेकिन अंत समय मे किसी न किसी कारण से टालनी पड़ेगी अगर हुई भी तो अकस्मात ही होने की संभावना है यात्रा से किसी प्रकार के लाभ की आशा न रखें उल्टे खर्च ही करना पड़ेगा। आज आपको किसी कार्य अथवा संबंध के कारण बंधन जैसा अनुभव होगा लेकिन भविष्य में इसका परिणाम हर प्रकार से आपके हित में ही मिलेगा। कार्य व्यवसाय में आज भी मन कम ही लगेगा फिर भी पुराने व्यवहारों से आय की संभावना बनेगी लेकिन धन लाभ आशा से कम ही होगा। किसी विशेष कार्य के लिये उधार लेने की योजना बनाएंगे। दिखावे की प्रवृति के चलते राज समाज में यश वृद्धि होगी। आप अपनी सुख सुविधाओं पर आख बंद कर ख़र्च करेंगे लेकिन परोपकार के लिये कृपणता दिखाएंगे। घर का वातावरण शांत ही रहेगा। सेहत शारीरिक दर्द थकान को छोड़ ठीक रहेगी।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

इस माह में आपको विविध उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा।सार्वजनिक क्षेत्र से सम्मान तो अवश्य मिलेगा लेकिन मतलब रहने तक ही काम के समय कोई आगे नही आएगा। जिन लोगो को आप अपने अत्यंत निकट मानते थे वह भी आवश्यकता के समय टालमटोल करते नजर आएंगे। कार्य क्षेत्र से मध्यान पूर्व तक ही लाभ उठाया जा सकता है वह भी अल्प मात्रा में ही इसके बाद परिस्थितियां हानिकारक बनने लगेंगी। निवेश किया हुआ धन कही फंसने से मन मे बेचैनी बढ़ेगी। सहकर्मी भी अपना हित साधने तक ही सहयोग करेंगे। सरकारी मामले आज अधिक उलझने के कारण अतिरिक्त भागदौड़ करनी पड़ेगी अधिकारी वर्ग तसल्ली देंगे फिर भी परिणाम निराश ही करेंगे। घर के लोगो का आपकी मनोदशा को नजरअंदाज कर अपने सुख सुविधा को प्राथमिकता देंना मनोबल तोड़ेगा। सेहत भी अचानक नरम बनेगी।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

यह महिना आपको मिला जुला फल देगा। आरंभ में जिस कार्य मे हानि का भय रहेगा मध्यान बाद उन्ही से लाभ होता देख अपना निर्णय बदलना पड़ेगा। किसी को आवश्यकता पडने पर भी परामर्श ना दें अन्यथा झूठे साबित हो जाएंगे। कार्य व्यवसाय में आज असमंजस की स्थिति रहेगी हानि के डर से जोखिम लेने से डरेंगे लेकिन आज लाभ जोखिम लेकर ही पाया जा सकता है इसका ध्यान रखें सहकर्मियो से आज भी तालमेल की कमी रहेगी पूर्ण के मतभेद के कारण जानबूझकर देरी अथवा कार्य बिगाड़ सकते है। धन की आमद में अन्य दिनों की अपेक्षा सुधार आएगा। सरकारी कार्यो में भय का वातावरण बनेगा उलझने बढ़ने का डर सताएगा। घरेलू वातावरण में गलतफहमियां परिजनों से वैचारिक दूरी बनायेगीं आज रिश्तों को केलव जरूरत के समय ही महत्त्व देंगे। कोई रोग धीमी गति से शरीर को प्रभावित करेगा जिसका पता आगे जाकर लगेगा।

कन्या : ळ (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आज के दिन आपको घर एवं कार्य क्षेत्र के कार्य एक साथ आने पर असहजता होगी। कार्य बोझ होने पर भी दिन के आरंभिक भाग में धीमी गति से कार्य करने पर दिनचर्या अव्यवस्थित बनेगी। कार्य क्षेत्र पर अन्य लोगो का दखल बढ़ने से स्वयं के हित साधने में परेशानी आएगी फिर भी कल की तरह स्वयं को लाचार नही बनने देंगे उद्दंडता का अपने स्वभाव अनुसार दमन कर अपने मन के अनुसार कार्य करेंगे धन की आमद आज थोड़ी थोड़ी मात्रा में लेकिन आवश्यकता अनुसार हो जाएगी। आज आपके खर्च भी राजसी रहेंगे सुख सुविधा के लिये कंजूसी नही करेंगे जिससे परिजन भी प्रसन्न बने रहेंगे घर के बड़े बुजुर्गों की सलाह के बिना कोई कार्य करने पर नाराजगी देखनी पड़ेगी। सेहत में थोड़ा बहुत उतार चढ़ाव लगा रहने पर भी बाधक नही बनेगा।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

इस माह के पहले भाग में सेहत में नरमी रहेगी किसी गंभीर रोग अथवा चोट आशंका चिंता का विषय बनेगी शल्य चिकित्सा होने की सम्भवना है इसे अति आवश्यक होने पर ही करवाये। मध्यान बाद से स्थिति कुछ विषयो को छोड़ सामान्य बनने से मन को राहत मिलेगी। फिर भी कार्य क्षेत्र पर आज पल पल में उतार चढ़ाव आने पर आपके लिये निर्णय गलत साबित होंगे बड़े कार्यो में निवेश से बचें आज नियमित आय की जगह शेयर सट्टे आदि के काम से आकस्मिक लाभ की संभावना अधिक है फिर भी अनुभवी की सलाह के बाद ही इनमे निवेश लाभ को पक्का कर सकता हैं। परिवार के सदस्य का व्यवहार लापरवाह रहेगा एक दूसरे की आवश्यकताओं की अनदेखी करेंगे। भाई बंधुओ से धन अथवा अन्य कारणों से कलह होगी गलती इसमे आपकी ही रहेगी। माता को छोड़ अन्य किस से कम ही बनेगी। लापरवाही में चोट लगने का भय है।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

इस माह के पहले भाग में कल वाली समस्या यथावत रहेगी लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे लेकिन मानसिक रूप से तैयार ना होने के कारण किसी अन्य प्रतिस्पर्धी को मिल सकती है अथवा सही निर्णय ना कर पाने के चक्कर मे आप स्वयं दूसरे को सौप देंगे। घर मे छोटी छोटी बातों पर वातावरण उग्र बनेगा बाहर समय बिताना अधिक पसंद करेंगे लेकिन मध्यान के बाद परिस्थिति में सुधार आने लगेगा जो लोग आपकी हर बात का विरोध कर रहे थे उन्हें अपनी गलती का अहसास होगा लेकिन अहम के कारण स्वीकार करने की जगह बात को रफा दफा करने का प्रयास करेंगे। व्यवसाय में लाभ के अवसर कम ही मिलेंगे फिर भी संध्या तक छोटी छोटी आय से दिन भर का खर्च निकाल लेंगे। नौकरी पेशाओ को आज परिश्रम का फल नही मिल पायेगा लेकिन मेहनत आज नही तो कल अवश्य फल देगी। पापकर्म से दूर रहे आगे परेशानी हो सकती है। सेहत ठीक रहेगी।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

इस माह के आधे भाग में सुख शांति कामनापूर्ति तथा आधे भाग में शोक संताप हानि से मन दुविधा में रहेगा माह के आरम्भ से मध्यान तक परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी इसका लाभ अवश्य उठाये इस अवधि में की गई मेहनत आज आशा से अधिक लाभ दिला सकती है कार्यो के प्रति वैसे तो आज गंभीर ही रहेंगे लेकिन घर या बाहर किसी से हंसी मजाक में अथवा रंजिश के कारण झगड़ा होने की संभावना है जिससे बाकी का दिन मानसिक अशांति में खराब होगा। कार्य व्यवसाय में आशानुकूल गति नही रहेगी फिर भी आवश्यकता पड़ने पर कही न कहीं से धन का जुगाड़ कर लेंगे। सहकर्मियो से कार्य शैली को लेकर तीखी झड़प होगी आज वाणी में नरमी रखें अन्यथा आने वाले कुछ दिनों परिणाम परेशान करेंगे। संध्या के समय घर मे मामूली बात का बतंगड़ बनने से अच्छा भला माहौल खराब हो सकता है। परिजनों की जगह बाहर के लोगो से बात करना अधिक भायेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से कुछ न कुछ कमी रहेगी।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

यह महिना बीते दिनों की तुलना में राहत भरा रहेगा लेकिन मन मे बेचैनी अधिक रहेगी निराशा में जल्दबाजी दिखाएंगे मध्यान तक कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें अन्यथा बाद में पछताना पड़ेगा। कार्य क्षेत्र पर मध्यान तक कल जैसी स्थिति बनी रहेगी इसके बाद किसी पुराने संबंध अथवा सौदे से धन लाभ होगा जिससे थोड़ी राहत अवश्य मिलेगी लेकिन संतोष नही। आज आप किसी साधन द्वारा एकदम से मोटा लाभ पाने के चक्कर मे रहेंगे लेकिन किसी का सहयोग ना मिलने पर अंत मे आगे के लिए टाल देंगे पर हार नही मानेंगे। बाहर के कुछ लोग आपकी छवि धनवान जैसी समझ मदद की आस लगाए रहेंगे परंतु अंदर के हालात विपरीत रहने के कारण सहायता में असमर्थता जताएंगे। घरेलू वातावरण में संध्या के समय सुधार आएगा फिर भी आवेश में आने से बचे अन्यथा घर से सुख शांति की की आशा ना रखें। शरीर मे अकस्मात वात कफ बढ़ने से सेहत नरम होगी।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आपको परिजनों से खरी खोटी सुनने को मिलेंगी आपका ध्यान भी इधर उधर की बातों में ज्यादा रहेगा अपने कार्यो के प्रति इतने गंभीर नही रहेंगे जितने पराये झगड़ो में रुचि दिखाएंगे। लेकिन एक बार किसी कार्य से जुड़ने पर उसे गंभीरता से पूर्ण करके ही हटेंगे। आज के दिन धन लाभ की ज्यादा संभावना नही रहेगी फिर भी अकस्मात होने पर कार्यो के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ेगा। नौकरी पेशा बेहतर प्रदर्शन कर सम्मान के अधिकारी बनेंगे अतिरिक्त आय बनाने के मौके भी मिलेंगे लेकिन अधिक मेहनत वाले होने के कारण टालमटोल कर सकते है। संध्या बाद घर में अपना वर्चस्व बनाने के लिये छोटी मोटी खींचतान होगी फिर भी वातावरण आनंद ही देगा भविष्य में सुख वृद्धि के लिये खर्च की योजना भी बन सकती है। सेहत वैसे तो ठीक ही रहेगी लेकिन शरीर की अनदेखी आगे के लिये परेशानी ना करें इसका ध्यान रखें।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

इस माह के आधे भाग तक लाभ के छोटे मोटे अवसर मिलते रहेंगे इसके बाद भी आर्थिक व्यवसायिक दृष्टिकोण से महिना निश्चित ठीक ही रहेगा लेकिन सेहत में धीरे धीरे नरमी आने लगेगी आरम्भ में इसकी अनदेखी करेंगे लेकिन अकस्मात बिगड़ने से कार्यो के प्रति उत्साह घटेगा सेहत की अनदेखी ना करें अन्यथा बाद में भारी पड़ सकता हैं कार्य क्षेत्र पर दोपहर तक ही आवश्यक अधूरे कार्य पूर्ण कर लेंगे धन लाभ भी आशाजनक रहने से ज्यादा चिंता नही होगी। परंतु आज लोभ में आकर कोई नई योजना पर काम आरंभ ना करें अन्यथा अधूरी छोड़नी पड़ेगी। सरकारी क्षेत्र से लाभदायक समाचार मिल सकते है। कुटुम्बी जन से आर्थिक विषयो को लेकर चल रही खटपट कम होगी। माता अथवा अचल संपत्ति से लाभ होते होते आगे के लिये टल सकता है। संध्या बाद का समय मानसिक बेचैनी वाला रहेगा अधिक समय आराम के लिये निकाले।।

ईरान में हमलों के पीछे क्या इसराइल का हाथ था? पूर्व मोसाद चीफ़ की बातों से मिलते हैं संकेत

इसराइल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद के पूर्व प्रमुख योसी कोहेन ने एक इसराइली टीवी चैनल को दिये इंटरव्यू में ईरान के भीतर मोसाद की गतिविधियों के बारे में कुछ जानकारियाँ दी हैं जिसकी काफ़ी चर्चा हो रही है.

उन्होंने इस इंटरव्यू में ऐसा संकेत दिया कि ईरान के नतांज़ स्थित भूमिगत परमाणु संयंत्रों पर हुए हमले के पीछे इसराइली ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद का ही हाथ था.

अपने इस इंटरव्यू में कोहेन ने ईरान के वैज्ञानिकों को भी चेतावनी दी कि अगर वो परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा रहे, तो उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है.

इस साल ११ अप्रैल को ईरान के नतांज़ परमाणु संयंत्र पर हमले के बाद ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि हमले में ईरान के सबसे अहम परमाणु केंद्र की हज़ारों मशीनें या तो ख़राब हो गई हैं या बर्बाद हो गई हैं.

ईरान ने इस हमले को 'परमाणु आतंकवाद' बताते हुए इसराइल को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया था. इसराइल ने अपनी भूमिका की ना ही पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया.

लेकिन तब इसराइल के सरकारी रेडियो पर ख़ुफ़िया सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि ये इसराइल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद का एक ऑपरेशन था.

नतांज़ परमाणु केंद्र में २०२० में भी जुलाई में आग लग गई थी. तब ईरानी अधिकारियों ने इसे साइबर हमले का नतीजा बताया था.

ईरान ने कहा, बदला ज़रूर लेंगे

इस घटना को लेकर ईरान के विदेश मंत्री जव्वाद ज़रीफ़ ने कहा था कि ईरान नतांज़ पर हुए हमले का बदला ज़रूर लेगा. ईरान ने तब स्पष्ट रूप से ये कहा था कि इस हमले के पीछे इसराइल का हाथ था.

जुलाई २०२० में नतांज़ संयंत्र में एक रहस्यमय विस्फोट हुआ था जिसने वहाँ की आधुनिक सेंट्रीफ़्यूज़ असेंबली को काफ़ी नुकसान पहुँचाया था.

उसके बाद, इसी साल अप्रैल में एक और धमाका हुआ जिसने नतांज़ संयंत्र के भूमिगत हॉल को तोड़ दिया था. इन हमलों के लिए ईरान ने इसराइल को ही ज़िम्मेदार ठहराया था.

अब, जब कोहेन से नतांज़ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,कोहेन ने अपने इंटरव्यू में सीधे तौर पर तो यह स्वीकार नहीं किया कि उन हमलों के पीछे मोसाद का ही हाथ था, लेकिन उन्होंने हमलों से जुड़ीं कुछ हैरान कर देने वाली जानकारियाँ दीं.

उनसे जब पूछा गया कि अगर ईरानी संयंत्र में जाने का मौक़ा मिले तो वो कहाँ जाना चाहेंगे, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सेलार में जहाँ सेंट्रीफ़्यूज़ घूमा करता था.

उन्होंने इसके बाद कहा, वो जगह अब वैसी नहीं दिखती, जैसी पहले थी.

इंटरव्यू करने वाली पत्रकार ने भी कोहेन की कही बातों के आधार पर अपनी रिपोर्ट में हमले की काफ़ी विस्तार से जानकारी दी और कहा कि – धमाकों के लिए ज़िम्मेदार शख़्स ने ईरानियों को मार्बल प्लेटफ़ॉर्म जिनपर सेंट्रीफ़्यूज रखे गए थे, और इसे जब लगाया जा रहा था तो ईरानियों को इस बात की कोई भनक नहीं थी कि उनमें भारी मात्रा में विस्फ़ोटक लगे हैं.

कोहेन ने अपने इंटरव्यू में कहा, हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे. ये उन्हें समझ क्यों नहीं आता.

उनका ये इंटरव्यू गुरुवार रात को इसराइली टीवी चैनल १२ पर प्रसारित किया गया.

ईरान ने कोहेन के इस इंटरव्यू पर फ़िलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

ईरान की धमकी, नतांज़ परमाणु संयंत्र पर 'इसराइल' के हमले का बदला लिया जाएगा

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने कहा था कि वैज्ञानिक की हत्या से नहीं थमेगा परमाणु कार्यक्रम

ईरान: संदिग्ध परमाणु स्थलों पर मिला यूरेनियम लेकिन नहीं मिले जवाब

फ़ख़रीज़ादेह की हत्या

अपने इंटरव्यू में योसी कोहेन ने पुष्टि की कि ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक मोहसिन फ़ख़रीज़ादेह सालों से मोसाद की नज़रों में थे.

उन्होंने कहा, नवंबर २०२० से पहले भी हमारे लोग फ़ख़रीज़ादेह के बहुत क़रीब रहे थे.

नवंबर २०२० में, ईरान की राजधानी तेहरान के क़रीब एक हमले में फ़ख़रीज़ादेह की हत्या कर दी गई थी. ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नज़र रखने वाले फ़ख़रीज़ादेह को बखूबी जानते थे. साथ ही पश्चिमी देशों के अधिकांश सुरक्षा जानकार भी फ़ख़रीज़ादेह का परिचय 'ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुख्य कर्ता–धर्ता' के तौर पर कराते थे.

कोहेन ने कहा, फ़ख़रीज़ादेह की वैज्ञानिक समझ, उनके काम और परमाणु कार्यक्रम में उनके सहयोगी वैज्ञानिकों ने कई साल तक मोसाद को बहुत परेशान किया था. इसीलिए वे कई सालों से मोसाद की नज़रों में थे.

हालांकि कोहेन ने अपने इंटरव्यू में इस बारे में कुछ नहीं कहा कि मोसाद के लोग सीधे तौर पर उनकी हत्या में शामिल थे या नहीं.

पर उन्होंने कहा, अगर कोई आदमी अपनी क्षमताओं की वजह से इसराइली लोगों के लिए ख़तरा है, तो उसे क्यों होना चाहिए.

मोहसिन फ़ख़रीज़ादेह: जिन्हें ईरान की डिफ़ेंस इंडस्ट्री का क़ासिम सुलेमानी कहा जाता था।

ईरान के परमाणु वैज्ञानिक मोहसिन फ़ख़रीज़ादेह की आख़िर क्यों हत्या की गई।

मोहसिन फ़ख़रीज़ादेह

नेतन्याहू ने कोहेन को चीफ़ बनाया

कोहेन ने कहा, अगर कोई वैज्ञानिक अपना पेशा बदलना चाहता है और हमारे लिए ख़तरा नहीं बनता, तो उसे क्यों निशाना बनाया जायेगा.

द टाइम्स ऑफ़ इसराइल के अनुसार, बिन्यामिन नेतन्याहू ने ही दिसंबर २०१५ में योसी कोहेन को ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद का चीफ़ बनाया था.

अख़बार ने लिखा है कि कोहेन ने अपने इंटरव्यू में जिस तरह की जानकारियाँ दी हैं, वो सामान्य नहीं हैं. उन्होंने बहुत सारी चीज़ों पर रोशनी डाली है. उनके इंटरव्यू को देखकर लगता है कि ज़रूर इसराइली सेना से इसकी समीक्षा करवाई गई होगी और उनसे मंज़ूरी ली गई होगी. मगर एक ख़ुफ़िया सेवा के प्रमुख रहे इंसान के लिए इतना खुलकर बात करना कोई सामान्य बात नहीं है.

५९ वर्षीय योसी कोहेन ने जब २२ वर्ष की उम्र में मोसाद जॉइन किया था, तब वे लंदन में पढ़ाई कर रहे थे. कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआत में कोहेन को मोसाद के चुनिंदा दकियानूस एजेंटों में से एक माना जाता था.

कोहेन ने अपने इस इंटरव्यू में ऐसे संकेत भी दिये कि वो ईरान के कई परमाणु संयंत्रों से वाकिफ़ हैं और उन ठिकानों को काफ़ी अच्छे से समझते हैं.

ईरान के ज़रूरी परमाणु दस्तावेज़

अपने इंटरव्यू में कोहेन ने यह भी बताया कि कैसे मोसाद ने जनवरी २०१८ में ईरान के ज़रूरी परमाणु दस्तावेज़ चुराये थे.

ये चोरी तेहरान के एक वेयरहाउस से हुई थी. उन्होंने बताया, मैंने तेल अवीव में बैठकर उस मिशन को अंजाम दिया था. इसके लिए दो साल तक तैयारी की गई थी. हमें पता था कि ईरान गुप्त तरीक़े से अपने दस्तावेज़ छिपा रहा है जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं थी. तो हमने तय किया कि हम पता करेंगे कि ईरानी हमारे लिए क्या तैयारी कर रहे हैं. मैंने अपने लोगों से कहा कि हमें इन रहस्यों को निकालकर अपने घर लाना होगा ताकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में हमारे पास सारी जानकारी रहे.

कोहेन ने दावा किया कि इस मिशन में २० मोसाद एजेंट शामिल थे जिनमें से एक भी इसराइली नागरिक नहीं था.

कोहेन ने इस इंटरव्यू में ये तक बताया कि कितने घंटों में एजेंटों ने यह मिशन पूरा किया, कैसी उसकी तैयारी की गई और कैसे गुप्त दस्तावेज़ों को तिजोरियों में से निकाला गया.

उन्होंने कहा, हमें मालूम था कि अपनी गुप्त तिजोरियों को खाली देख ईरान हमें रोकने की कोशिश ज़रूर करेगा. कुछ ही घंटों में सारी सीमाएं सील कर दी गई थीं क्योंकि उनके सबसे संवेदनशील दस्तावेज़ हमारे पास थे. इसीलिए ज़्यादा से ज़्यादा डेटा डिजिटल माध्यमों से तेल अवीव भेज दिया गया था.

कोहेन ने कहा कि फ़ारसी में लिखे उन गुप्त दस्तावेज़ों को हासिल करना, मोसाद की एक बड़ी उपलब्धि थी.

घाटी के नेताओं से अजमेर शरीफ के दीवान की अपील- ३७० भूल जाइए, सरकार के साथ काम कीजिए

उन्होंने जोर देकर कहा है कि अब तमाम कश्मीरी नेताओं को सिर्फ और सिर्फ घाटी के विकास के बारे में सोचना चाहिए. किसी को भी अपने निजी एजेंडे को बीच में नही. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम्मू कश्मीर को लेकर गुरुवार को अहम बैठक होने जा रही है. बैठक में कश्मीर के कई बड़े नेता शामिल भी होंगे. लेकिन बैठक से पहले ही कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दे दिए जिस वजह से विवाद भी खड़ा हुआ है और नीयत पर भी सवाल उठने लगे हैं. पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती पहले ही पाकिस्तान संग बातचीत की पैरवी कर चुकी हैं. अब इन बयानों के बीच अजमेर शरीफ के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन की तरफ से तमाम नेताओं से एक खास अपील की गई है.

निजी एजेंडा छोड़िए, दीवान की अपील

उन्होंने जोर देकर कहा है कि अब तमाम कश्मीरी नेताओं को सिर्फ और सिर्फ घाटी के विकास के बारे में सोचना चाहिए. किसी को भी अपने निजी एजेंडे को बीच में नहीं लाना है. वे कहते हैं– मैं सभी नेताओं से कहना चाहता हूं कि आप इस अवसर का बखूबी इस्तेमाल करें. जम्मू कश्मीर को सबसे विकसित बनाएं. अनुछेद ३७० भूल जाइए और भारत सरकार के साथ काम कीजिए. हर विकास वाली योजना को घाटी में लागू करवाइए.

३७० की कहानी पुरानी, विकास पर जोर

उनकी तरफ से जोर देकर यहां तक कहा गया कि सभी नेता अपने निजी एजेंडे पीछे छोड़ जाएं. उनके मुताबिक अगर मीटिंग को सफल होना है और जम्मू कश्मीर के हित के बारे में सोचना है तो इन तमाम नेताओं को अपने निजी एजेंडे छोड़ने होंगे. सभी को सरकार संग बातचीत वाला माहौल तैयार करना होगा. अब ये बयान काफी मायने रखता है और कहीं ना कहीं महबूबा और फारूक को भी बड़ा संदेश है. दोनों ही नेताओं ने ३७० और पाकिस्तान पर बयान दिया है. उस बीच सैयद जैनुल आबेदीन का ये कहना कि निजी एजेंडा को पीछे छोड़ा जाए काफी मायने रखता है.

कट्टरपंथी संगठन कर रहे माहौल खराब

वैसे इस अहम बैठक से पहले सैयद जैनुल आबेदीन ने सूफिज्म पर भी ज्ञान दिया है. उन्होंने कहा है कि हर कश्मीरी के दिल में सूफिज्म भरा हुआ है. वे उम्मीद कर रहे हैं कि जम्मू कश्मीर के नेता भी उस अहसास को जीवित रखेंगे और मीटिंग के समय भी वैसा ही व्यवहार करेंगे. अब एक तरफ सूफिज्म पर जोर दिया गया है तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस बात पर दुख जाहिर किया है कि कुछ कट्टरपंथी संगठन घाटी का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा साफ था. अब सभी की नजर उस मीटिंग पर है जिसमें जम्मू कश्मीर को लेकर कई बड़े फैसले हो सकते हैं.

KRANTIKARI JAI HIND SENA
क्रांतीकारी जय हिंद सेना
Adv.R.N.Kachare
Mr.Vinod Trivedi
LEGAL ADVISE CENTRE
कानुनी सलाह केंद्र
क्रांतीकारी जय हिंद सेना की और से अन्याय एवंम भ्रष्टाचार से पिडीत लोगोंके लिये निशुल्क कानुनी सलाह केंद्र तथा जरुरतमंद ओर गरीबों के लिए कानुनी मदत केंद्र कि उपलब्धी की गई है। समस्थ लोगोंको अपील की जाती है की आप इस योजना का लाभ उठा ले। हमने लोगों को अपने अधिकारी का ज्ञान कराने के उद्देश से विविध विधीज्ञ की सहयोग से यह योजना कार्यान्वीत की गई है।
संपर्क : २७/२८, दुसरा माला, इंडा मेशन, १८-वजु कोटक मार्ग, फोर्ट, मुंबई-४०० ००१. मो.९८२१३८७०९९, ९२२४७९९५४६

आर्थिक तंगी से गुजर रहीं शगुफ्ता अली, सोनू सूद से मांगी मदद, मिला ये जवाब

शगुफ्ता अली ने कहा कि सिने और टीवी आर्टिस्ट असोसिएशन (सिनटा) ने उन्हें कॉन्टैक्ट किया, लेकिन उन्होंने मदद लेने से इनकार कर दिया, क्योंकि वे लोग काफी कम पैसों से उनकी मदद कर रहे थे. इसके अलावा एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने सोनू सूद से मदद मांगने की कोशिश की, लेकिन पता चला कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों की मदद नहीं करते हैं, बल्कि केवल सर्विस देते हैं.

टीवी एक्ट्रेस शगुफ्ता अली इस समय सुर्खियों में हैं. यह कई पॉपुलर शोज का हिस्सा बन चुकी हैं. इसमें 'सांस', 'ससुराल सिमर का' और 'बेपनाह' में नजर आ चुकी ... इसमें 'सांस', 'ससुराल सिमर का' और 'बेपनाह' में नजर आ चुकी हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वह पिछले चार साल से आर्थिक तंगी से गुजर रही हैं. २० साल पहले एक्ट्रेस तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं. अब वह डायबिटीज और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रही हैं. एक्ट्रेस काम मांग रही हैं और आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं

गुफ्ता अली ने कहा कि सिने और टीवी आर्टिस्ट असोसिएशन (सिनटा) ने उन्हें कॉन्टैक्ट किया, लेकिन उन्होंने मदद लेने से इनकार कर दिया, क्योंकि वे लोग काफी कम... पैसों से उनकी मदद कर रहे थे. इसके अलावा एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने सोनू सूद से मदद मांगने की कोशिश की, लेकिन पता चला कि वह आर्थिक तंगी से जू जूझ रहे लोगों की मदद नहीं करते हैं, बल्कि केवल सर्विस देते हैं.

सोनू सूद से मांगी हेल्प

टाइम्स ऑफ इंडिया संग बातचीत में शगुफ्ता अली ने कहा कि मुझे किसी से भी किसी तरह की मदद नहीं मिली है. सिनटा ने मुझे कुछ दिनों पहले कॉन्टैक्स किया, लेकिन मैंने इनकार कर दिया, क्योंकि जो अमाउंट वे दे रहे थे, वह काफी कम था. उसमें मेरी कोई मदद नहीं होने वाली थी. मैं सिनटा की सदस्य रह चुकी हूं. मैं जानती हूं कि वे कुछ ही पैसों से मेरी मदद कर सकते हैं, लेकिन कुछ नहीं हो सकता. मैंने सोनू सूद को कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की, लेकिन वहा भी बात नहीं बन पाई.

घर चलाने को पूंजी बेचने को मजबूर टीवी एक्ट्रेस शगुफ्ता अली, कोरोना काल में नहीं मिल रहा काम

बता दें कि कुछ समय पहले ५४ साल की एक्ट्रेस ने स्पॉटब्वॉय को बताया था कि उन्होंने अपनी कई चीजें बेच दी हैं. इसमें गाड़ी, जूलरी और कई कीमती सामान शामिल है. कहीं जाने के लिए वह ऑटोरिक्शा का सहारा ले रही हैं. एक्ट्रेस अपनी ७३ साल की मां संग रहती हैं, जिन्हें मेडिकल और दवाओं की सख्त जरूरत है. शगुफ्ता को भी आंख की समस्या है और वह डायबिटीज से भी जूझ रही हैं.

ईरान का एकमात्र परमाणु संयंत्र रहस्यमय तरीके से बंद, मोसाद ने फिर मचाई तबाही?

ईरान के एकमात्र परमाणु बिजली संयंत्र को एक रहस्यमय तरीके से आपातकालीन शटडाउन के बाद बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि अगले ४ दिनों तक यह संयंत्र बंद रह सकता है। परमाणु प्लांट के बंद होने से बंद होने से अंधेरा छा गया है। ईरान के इस एकमात्र परमाणु संयंत्र के बंद होने से अटकलों का बाजार गरम हो गया है और शक की सुई इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की ओर जा रही है।

तवानिर राज्य विद्युत ऊर्जा कंपनी के अधिकारी घोलामाली राखशानिमेहर ने कहा कि बुशहर स्थित इकाई को शनिवार को बंद किया गया है। यह करीब तीन से चार दिनों के लिए बंद रहेगी। हालांकि, उन्होंने इस बारे में अधिक विवरण साझा नहीं किया लेकिन ऐसा पहली बार है जब ईरान ने इकाई को आपातकालीन तौर पर बंद किया है। दक्षिणी बंदरगाह शहर बुशहर में स्थित इस इकाई को वर्ष २०११ में रूस की मदद से शुरू किया गया था।

रूस से आता है प्लांट के लिए यूरेनियम

परमाणु अधिकारी महमूद जाफरी ने मार्च में कहा था कि इस इकाई को बंद करना पड़ सकता है क्योंकि तेहरानअमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसके लिए आवश्यक कल-पुर्जे और उपकरण खरीदने में असमर्थ है। ईरान को इस रिएक्टर के इस्तेमाल किए हुए ऊर्जा रॉड को दोबारा रूस भेजना पड़ता है ताकि वह इसका गलत इस्तेमाल करके परमाणु बम न बना ले। इस प्लांट के लिए यूरेनियम रूस से आता है। इस पर संयुक्त राष्ट्र की निगरानी रहती है।

बुशहर प्लांट के बंद होने से अटकलों का बाजार गरम हो गया है। सोशल मीडिया पर लोगों को आशंका है कि इसके पीछे इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ हो सकता है। इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रमों का लगातार विरोध करता रहा है। इजरायल के नए प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दुनिया को चेतावनी दी है।

ईरान के परमाणु केंद्र पर हमले में मोसाद का हाथ

इरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के पूर्व प्रमुख योसी कोहेन ने पिछले दिनों ईरान के परमाणु केंद्र पर हमले में हाथ होने के संकेत दिए थे। उन्होंने चैनल १२ के एक प्रोग्राम में ईरान के परमाणु केंद्र पर हमले और वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या में मोसाद की भूमिका को परोक्ष रूप से स्वीकार किया था। इस प्रोग्राम में कोहने ने ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि वे अगर नौकरी नहीं छोड़ते हैं तो उनपर भी हमले हो सकते हैं। योसी कोहेन कुछ ही दिन पहले मोसाद चीफ के पद से रिटायर हुए हैं।

टिकट पर छपे इस एक नंबर में छिपी है आपकी पूरी डिटेल्स, यात्री के बारे में एक-एक बात जानता है रेलवे

आप भारतीय रेल की किसी भी ट्रेन में अपनी टिकट बुक कर लीजिए, आपको १० अंकों का एक झछठ नंबर मिलेगा ही मिलेगा. यह एक यूनीक नंबर होता है, जो सभी टिकट पर अलग पाया जाता है.

एक समय हुआ करता था जब आप सिर्फ रेलवे काउंटर से ही अपनी टिकट बुक करा सकते थे. लेकिन, रेलवे ने अब बुकिंग के लिए इतनी सुविधा कर दी है कि आप कहीं भी अपने मोबाइल फोन पर टिकट बुक कर सकते हैं. आप भारतीय रेल की किसी भी ट्रेन में अपनी टिकट बुक कर लीजिए, आपको १० अंकों का एक PNR नंबर मिलेगा ही मिलेगा. यह पूरी तरह से एक यूनीक नंबर होता है, जो सभी टिकट पर अलग पाया जाता है. ये PNR नंबर यात्री के साथ-साथ भारतीय रेल के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है. आज हम यहां PNR से जुड़ी कई अहम बातें बताने जा रहे हैं क्योंकि पीएनआर नंबर के बारे में जानना हम सभी के लिए बहुत जरूरी है. हालांकि, सच्चाई ये है कि ज्यादातर लोगों को इसके बारे में कोई खास जानकारी नहीं है. कई लोग तो PNR को सिर्फ बुकिंग स्टेटस जानने का एक जरिया ही समझते हैं.

१० अंकों वाले एक *PNR* नंबर में दर्ज होती है यात्री की सभी जानकारी

भारतीय रेल में यात्रा के लिए टिकट बुक करने पर एक झछठ नंबर भी दिया जाता है. PNR का फुलफॉर्म Passenger Name Record होता है. १० अंकों के इस पीएनआर नंबर में आपकी यात्री से जुड़ी छोटी-से छोटी जानकारी दर्ज होती है. एक पीएनआर नंबर में अधिकतम ६ यात्रियों की जानकारी दर्ज होती है क्योंकि आप एक बार में अधिकतम ६ लोगों के लिए ही टिकट बुक कर सकते हैं. एक पीएनआर नंबर में यात्रा करने वाले सभी यात्रियों का नाम, उम्र, लिंग, घर का पता, यात्रा शुरू करने की जगह, गंतव्य की जगह, ट्रेन नंबर, ट्रेन का नाम, बुकिंग स्टेटस, फाइनल स्टेटस, कोच संख्या, सीट संख्या, बुकिंग कहां से की गई है आदि जानकारी दर्ज होती है. भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाली सभी यात्रियों की डीटेल्स CRIS में दर्ज किया जाता है. CRIS (सेंटर फॉर रेलवे इंफोर्मेशन सिस्टम) एक डेटाबेस है जो पूर्ण रूप से भारतीय रेल का एक प्रोडक्ट है.

यात्री आरक्षण प्रणाली के बारे में भी जानकारी देता है पीएनआर नंबर

आमतौर पीएनआर नंबर बुकिंग जानने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है. इस पीएनआर नंबर के जरिए ही आप जान सकते हैं कि आपके द्वारा बुक की गई टिकट कंफर्म हुई है या नहीं. बताते चलें कि जैसे ही आपकी यात्रा पूरी होती है, आपका पीएनआर नंबर अवैध हो जाता है. इसके अलावा किसी रेल हादसे के दौरान रेलवे अधिकारी PNR नंबर के जरिए ही मृत या घायल यात्री की पहचान करते हैं. १० अंकों वाले एक पीएनआर नंबर के शुरुआती ३ अंक PRS (यात्री आरक्षण प्रणाली) की जानकारी देते हैं, जहां से टिकट बुक की जाती है. जबकि पीएनआर का पहला अंक उस रेलवे जोन के बारे में बताता है, जिस जोन से आपने टिकट बुक किया है. जबकि आखिरी के ७ अंकों में आपकी यात्रा से जुड़ी बाकी जानकारियां दर्ज की जाती हैं.

१- SCR (सिकंदराबाद PRS)

२, ३- NR, NCR, NWR, NER (नई दिल्ली PRS)

४, ५- SR, SWR, SCR (चेन्नई PRS)

६, ७- NFR, ECR, ER, EcoR, SER, SECR (कोलकाता PRS)

८, ९- CR, WCR, WR (मुंबई PRS)

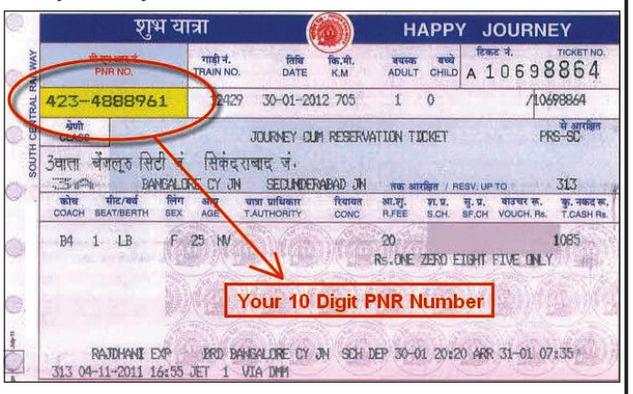

आतंकियों की किलिंग मशीन है यह एजेंसी, जानिए कैसे करती है काम और क्या हैं बड़े ऑपरेशन

मोसाद का नाम बड़ी इज्जत के साथ लिया जाता है। क्योंकि यह एजेंसी अपने मुल्क के दुश्मनों के खिलाफ एक किलिंग मशीन की भांति काम करती है। आइए जानते हैं क्या है मोसाद, किस मुल्क से है नाता, कैसे करती है काम और जानिए इसके बड़े ऑपरेशन के बारे में ...

मोसाद, एक ऐसा नाम जिसे सुनते ही थर्रा जाते हैं बड़े-बड़ेआतंकी सूरमा। दुनिया के नक्शे पर एक छोटे से देश की खुफिया एजेंसी जिसके नाम से आतंकी संगठन ही नहीं,उनके आका और

हुक्मरान भी खौफ खाते हैं। वैसे तो दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन, भारत और रूस से लेकर चीन तक कई देशों में कई खुफिया एजेंसियां हैं, जो बेहद शक्तिशाली और ताकतवर वाली मानी जाती हैं।

इनके गुप्तचरों कीपहुंच पूरी दुनिया में होतीहै,लेकिन इनमें मोसाद का नाम बड़ी इज्जत के साथ लिया जाता है। क्योंकि यह एजेंसी अपने मुल्क के दुश्मनों के खिलाफ एक किलिंग मशीन की तरह काम करती है। आइए जानते हैं क्या है मोसाद, किस मुल्क सेहै नाता, कैसे करती है काम और जानिए इसके बड़े ऑपरेशन के बारे में ..

मोसाद इस्राइल की खुफिया एजेंसी है। वैश्विक स्तर पर मोसाद को गुप्त ऑपरेशंस को अंजाम देने में दुनिया की टॉप खुफिया एजेंसी माना जाता है। मोसाद अपने दुश्मनों को उनके ही देश में घुसकर चुन-चुनकर मारने के लिए जानी जाती है। आमतौर पर ऐसे ऑपरेशन को अंजाम देना बेहद ही कठिन होता है, लेकिन मोसाद को ऐसे अभियानों में महारत हासिल है।

मोसाद अपना निशाना कभी नहीं चूकती है। क्योंकि अपना मिशन पूरा करने से पहले मोसाद के एजेंट अपने टारगेट को लेकर पूरी रिसर्च करते हैं। साथ ही मिशन को अंजाम देने के बाद की परिस्थितियों से निपटने का भी पूरा इंतजाम पहले से करके रखते हैं।

भारत से १,३०० सिम ले जा चुके चीनी नागरिक ने उगले चौंकाने वाले राज, बताया कैसे करता था तस्करी

सीमा सुरक्षा बल ने गुरुवार को जिस चीनी नागरिक को पकड़ा था, उसने कई राज खोले हैं। उसने बताया है कि वह कैसे इन्हें अपने देश में ले जाता था।

नई दिल्ली : भारत–बांग्लादेश बॉर्डर अवैध तरीके से पार करने की कोशिश में पकड़े गए चीन के नागरिक ने कुछ चौंकाने वाले राज उगले हैं। पूछताछ में उसने बताया है कि अपने साथियों के साथ मिलकर वह करीब १,३०० भारतीय सिम कार्ड चीन ले गया है। तस्करी के लिए वे अपने अंडरगारमेंट्स में इन सिम काड्र्स को रखते थे। इन्हें हासिल करने के लिए नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। बीएसएफ के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

२० हज़ार से ज्यादा लोग अभी क्या कर रहे हैं? जान लीजिए

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने चीन के हुबेई प्रांत के निवासी हान जुनवे (३५) को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। उसे बीएसएफ के गश्ती दल ने गुरुवार को राज्य के माल्दा जिले से गिरफ्तार किया था।

कोलकाता मुख्यालय वाले बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने इसे लेकर एक बयान जारी किया है। इसमें उसने बताया है, 'जुनवे एक वांछित अपराधी रहा है। उससे पूछताछ में हैरान करने वाला तथ्य सामने आए हैं। वह फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर अब तक करीब १,३०० भारतीय सिमकार्ड यहां से चीन ले जा चुका है।'

कैसे करता था तस्करी?

बयान के अनुसार, 'जुनवे अपने साथियों की मदद से अंडरगारमेंट में सिम छिपाता था। उन्हें चीन भेजता था। उनका मकसद सिम का इस्तेमाल कर लोगों को धोखा देना और उन्हें ठग कर पैसे ऐंठना था। उसकी गिरफ्तारी बीएसएफ के लिए बड़ी उपलब्धि है।'

आरोप हैं कि इन सिम कार्ड का इस्तेमाल बैंक खातों को हैक करने और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जाता है। जुनवे ने अधिकारियों को बताया कि उसके कारोबारी साझेदार सुन जियांग को पिछले दिनों लखनऊ के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने धोखाधड़ी के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद वह भारतीय वीजा नहीं बनवा पाया। भारत–बांग्लादेश सीमा से अपने देश में घुसने की फिराक में था।

इंटरपोल का ब्लू नोटिस जारी

बीएसएफ ने कहा कि प्रक्रिया के अनुसार, तभी से जुनवे के खिलाफ इंटरपोल के ब्लू नोटिस को जारी कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी। किसी व्यक्ति की पहचान, ठिकाने और किसी अपराध के संबंध में गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त सूचनाएं जुटाने के लिए ब्लू नोटिस जारी किया जाता है।

बीएसएफ ने दावा किया कि जुनवे के पास से बड़ी संख्या में संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले हैं। चीनी नागरिक ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह पहले कम से कम चार बार भारत आ चुका है। दिल्ली के पास गुड़गांव में उसका एक होटल है।

बीएसएफ की ओर से गुरुवार को जारी वीडियो बयान के अनुसार, जुनवे ने कहा कि वह गलती से भारत में आ गया और वह लखनऊ एटीएस के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता था। उसने कहा कि वह ई–कॉमर्स के व्यापार के संबंध में पहले भी भारत आ चुका है।

राजकीय सम्मान के साथ हुई दिलीप कुमार अंतिम विदाई

जाने–माने अभिनेता दिलीप को बुधवार शाम राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. बुधवार सुबह दिलीप कुमार का ९८ वर्ष की आयु में निधन हो गया था. वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थे और कई बार उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था. सांताक्रूज़ मुंबई के जुहू क़ब्रिस्तान में शाम ५ बजे उनके शव को दफ़नाया गया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राजकीय सम्मान के साथ अभिनेता दिलीप कुमार के शव को दफ़्न करने के आदेश दिए थे.

हिंदूजा अस्पताल के डॉक्टर जलील पालकर ने दिलीप कुमार के निधन की पुष्टि करते हुए बीबीसी की सहयोगी पत्रकार सुप्रिया सोगले से कहा था कि उन्होंने बुधवार की सुबह साढ़े सात बजे अंतिम सांस ली. दिलीप कुमार जब अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ भाषण देने के लिए जेल गए दिलीप कुमार के यूसुफ़ ख़ान से दिलीप कुमार बनने की पूरी कहानी छोड़िए.

दिलीप कुमार जब अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ भाषण देने के लिए जेल गए सायरा बानो के साथ १९७० की फ़िल्म 'गोपी' में दिलीप कुमार. सायरा ने दिलीप कुमार के साथ 'सगीना' और 'बैराग' जैसी फ़िल्मों में भी काम किया था.

दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से सुबह ८ बजे उनके निधन की जानकारी ट्वीट की गई. यह ट्वीट उनके पारिवारिक मित्र फ़ैसल फ़ारूक़ी की ओर से किया गया है.

ट्वीट में लिखा है, भारी मन और गहरे दुख के साथ मैं यह घोषणा कर रहा हूं कि हमारे चहेते दिलीप साब कुछ देर पहले नहीं रहे. हम ख़ुदा की तरफ़ से आए हैं और उसी की ओर लौट जाना है. दिलीप कुमार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके इसे सांस्कृतिक दुनिया के लिए नुक़सान बताया है.

उन्होंने ट्वीट में लिखा, दिलीप कुमार जी को एक सिनेमाई लीजेंड के रूप में याद किया जाएगा. वो अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे, जिससे पीढ़ी दर पीढ़ी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए. उनका जाना हमारी सांस्कृतिक दुनिया के लिए एक क्षति है. उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं हैं.

यूपी पुलिस में जीजा की जगह साला करता रहा नौकरी, घर पर ही ली ट्रेनिंग, ऐसे हुआ खुलासा

पुलिस ने असली भर्ती हुये आरक्षी अनिल कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, नक़ली अनिल कुमार उर्फ़ अनिल सोनी फ़रार हो गया है. फिलहाल अधिकारी जांच की बात कर रहे हैं.

मुरादाबाद: उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के कोतवाली ठाकुरद्वारा इलाके में डायल ११२ पर तैनात आरक्षी अनिल कुमार पर आरोप है कि उसने साजिश कर अपने ही साले अनिल सोनी को घर पर ही पुलिस की ट्रेनिंग देकर नौकरी पर भेजना शुरू कर दिया. किसी अज्ञात व्यक्ति ने इसकी सूचना पुलिस अधिकारी को दी जिसके बाद कराई गई गोपनीय जांच में पूरा ख़ुलासा हुआ. फ़िलहाल पुलिस ने असली भर्ती हुये आरक्षी अनिल कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, नक़ली अनिल कुमार उर्फ़ अनिल सोनी फ़रार हो गया है.

दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के खतौली के रहने वाले अनिल कुमार ने २०११ में बरेली से पुलिस भर्ती के दौरान आवेदन किया था. जहां वो ट्रेनिंग के दौरान फेल हो गया था. फ़िर अनिल कुमार ने २०१२ में मेरठ में हुई पुलिस भर्ती में आवेदन किया, लेकिन वहां भी वो फ़ेल हो गया. २०१२ नवंबर में तीसरी बार अनिल कुमार ने गोरखपुर में आवेदन किया, जहां उसका चयन आरक्षी के लिये हो गया. ट्रेनिंग पूरी कर अनिल कुमार को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाकर पहली बार बरेली जनपद में पोस्टिंग मिली. इसके बाद अनिल कुमार ड्यूटी करता रहा.

लेकिन जब अनिल कुमार का तबादला पुलिस नियम के मुताबिक बरेली रेंज से मुरादाबाद रेंज किया गया, तो बस यहां से ही साजिश का खेल शुरू हुआ. मुरादाबाद रेंज में तबादला होने के बाद शातिर पुलिसकर्मी अनिल कुमार ने अपने स्थान पर अपने सगे साले अनिल सोनी को मुरादाबाद बुलाया और बरेली से जारी अपने प्रस्थान आदेश की कॉपी लेकर मुरादाबाद के पुलिस अधिकारियों के सामने पेश किया. अनिल कुमार के स्थान पर अनिल सोनी की आमद को दर्ज कर लिया गया, लेकिन भर्ती करने वाले पुलिस अधिकारी ने फोटो का मिलान नहीं किया जिसके बाद अनिल कुमार के स्थान पर अनिल सोनी ड्यूटी करने लगा.

जांच की बात कर रहे हैं अधिकारी

शातिर अनिल कुमार ने ट्रेनिंग के दौरान जो पुलिस के तरीके थे, चाहे वो सरकारी हथियार चलाने के हों या अधिकारियों को सैल्यूट करने के, उन सबकी ट्रेनिंग अपने सगे साले अनिल सोनी को अपने ही घर पर दे दी. जब उसने उस ट्रेनिंग में महारत हासिल कर ली तो वह बेझिझक पुलिस की नौकरी करने लगा. ड्यूटी के दौरान अनिल सोनी को पुलिस लाइन से सरकारी असलहा भी जारी किया गया. जिसमे पिस्टल, कार्बाइन, एसएलआर तक दी गई. इस दौरान गनीमत ये रही कि कभी किसी बदमाश से पुलिस की मुठभेड़ नहीं हुई. अगर मुठभेड़ हो जाती तो उस वक़्त ड्यूटी पर तैनात सरकारी हथियार चलाने में अनट्रेंड अनिल सोनी ख़ुद को या अपने साथ के किसी भी पुलिस कर्मी को घायल कर सकता था. फिलहाल मुरादाबाद के पुलिस अधिकारी इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता अनिल कुमार को हिरासत में लेने के बाद अब जांच की बात कर रहे हैं. अधिकारी यह भी दावा कर रहे हैं कि अगर विभाग के किसी अन्य पुलिसकर्मी ने भी अनिल कुमार का इस साजिश में साथ दिया है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.

गोल्ड हॉलमार्किंग: हो न जाना ठगी के शिकार, इन चार निशानों से पता चलेगी सोने की शुद्धता

कई बार डेडलाइन बढ़ने के बाद इस सप्ताह देश में गोल्ड हॉलमार्किंग अनिवार्य हो गई और इस नियम के लागू होने से ही यह सुनिश्चित हो गया है कि उपभोक्ता सोने के गहने खरीदते समय धोखा नहीं खाएंगे और उन्हें आभूषणों पर अंकित शुद्धता के अनुसार ही आभूषणों की प्राप्ति होगी। देशभर में ग्राहकों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने इस नियम को लागू किया है। इसे लागू करना इसलिए अनिवाय था क्योंकि पूर्व में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब ज्वैलर्स ने सोने के नाम पर उपभोक्ताओं को ठगा हो। ज्वैलर्स अपने ग्राहकों को ज्यादा शुद्धता वाले सोने के दाम पर कम शुद्धता वाले सोने के गहने बेच देते थे। लेकिन अब ज्वैलर्स का उपभोक्ताओं को ठगने का रास्ता बंद हो गया है।

शुद्धता की गारंटीहै गोल्ड हॉलमार्किंग

गोल्ड हॉलमार्किंग एक तरह की गारंटी है। इसके तहत हर गोल्ड ज्वैलरी पर भारतीय मानक ब्यूरो (इखड) अपने मार्क के द्वारा शुद्धता की गारंटी देता है। यदि आसान भाषा में समझें, तो यह विश्वसनीयता प्रदान करने का एक माध्यम है। यदि गहनों पर हॉलमार्क है तो इसका मतलब है कि उसकी शुद्धता प्रमाणित है।

ग्राहक कैसे पहचानें सोने की हॉलमार्किंग हुई है या नहीं?

लेकिन ग्राहक अब भी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उन्हें ये कैसे पता चलेगा कि जो ज्वैलरी वो खरीद रहे हैं वो हॉलमार्क वाली है या नहीं। ग्राहकों को यह तो पता है कि बीआईएस का चिह्न यह प्रमाणित करता है कि गहना भारतीय मानक ब्यूरो के स्टैंडर्ड पर खरा उतरता है। लेकिन अब लोगों के मन में सवाल ये है कि उन्हें इस बात की पुष्टि कैसे होगी कि जो ज्वैलरी वो खरीद रहे हैं वास्तव में उसकी हॉलमार्किंग हुई है या नहीं।

हॉलमार्किंग पहचानने के चार चिह्न

अब आप जब भी किसी ज्वैलर से सोना खरीदने जाएंगे, तो उसपर आपको चार निशान दिखें। यदि इन चारों में से एक भी निशान ज्वैलरी पर नहीं होगा, तो समझ जाइएगा कि ज्वैलर आपको जो सोना दिखा रहा है, उसकी शुद्धता प्रमाणित नहीं है और संभव है कि आपको ठगा जा रहा है। ये चार निशान बताएंगे सोना हॉलमार्किंग वाला है या नहीं–

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) का मार्क — सोने का कैरेट
हॉलमार्किंग सेंटर की पहचान — ज्वैलर का कोड

कैरेट से कैसे पता चलता है कि सोना कितना शुद्ध है?

ज्वैलर्स अब सिर्फ १४ कैरेट, १८ कैरेट और २२ कैरेट के सोने के आभूषण बेच सकते हैंश

१४ कैरेट वाले सोने में ५८.५० फीसदी सोना होता है।
१८ कैरेट वाले सोने में ७५ फीसदी सोना होता है।
२२ कैरेट वाले सोने में ९१.६० फीसदी सोना होता है।

उदाहरण से समझिए पूरी गणना

एक कैरेट सोने का अर्थ होता है १/२४ गोल्ड। यदि आपको १८ कैरेट का सोना खरीदना है, तो १८ को २४ से भाग कर उसे १०० से गुणा करें। (१८/२४)१००= ७५ यानी आपके आभूषण में इस्तेमाल सोने की शुद्धता ७५ फीसदी है। २४ कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना जाता है। लेकिन इसके आभूषण नहीं बनते। ऐसा इसलिए क्योंकि वो बहुत मुलायम हो जाता है। ज्यादातर आभूषणों के लिए २२ कैरेट सोने का ही इस्तेमाल होता है।

कौन से कैरेट के लिए कौन सा नंबर होगा अंकित?

हर कैरेट के सोने के लिए हॉलमार्क नंबर अंकित किए जाते हैं। ज्वैलर्स की ओर से २२ कैरेट के लिए ९१६ नंबर का इस्तेमाल किया जाता है। १८ कैरेट के लिए ७५० नंबर का इस्तेमाल करते हैं और १४ कैरेट के लिए ५८५ नंबर का उपयोग किया जाता है। इन अंकों के जरिए आपको पता चल जाएगा कि सोना कितने कैरेट का है।

नेपाल अपने नागरिकों के लिए जारी करेगा ई-पासपोर्ट, भारत को होगा यह फायदा

नेपाली मीडिया के अनुसार अगस्त के अंतिम सप्ताह से ई-पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया आरंभ होगी। यह व्यवस्था लागू होने से नेपाल के नागरिक बिना सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटे घर बैठे आनलाइन अपना पासपोर्ट बनवा लेंगे। तीन साल के लिए पासपोर्ट जारी किए जाएंगे।

गोरखपुर, जेएनएन : नेपाल अपने नागरिकों को ई पासपोर्ट जारी करने जा रहा है। भारत के आधार कार्ड की तरह होने वाले इस पासपोर्ट में नागरिकों का पूरा विवरण रहेगा। इस पासपोर्ट की मान्यता तीन साल तक रहेगी, तीन साल बाद दोबारा पासपोर्ट बनवाना पड़ेगा। नेपाल के इस कदम से भारत को भी फायदा होगा।

बायोमीट्रिक पंजीयन होने के कारण ई पासपोर्ट रखने वाला कोई भी नागरिक भारत का आधार कार्ड नहीं बनवा सकेगा। अभी नेपाल से सटे भारत के कई जिलों में नेपाल के लोग आसानी से आकर अपना आधार कार्ड बनवाते हैं और धीरे-धीरे अन्य परदे के पीछे से सभी प्रक्रियाओं को पूरी करके भारत के नागरिक बन जाते हैं।

घर बैठे आनलाइन बनवा सकेंगे पासपोर्ट

नेपाली मीडिया के अनुसार ई पासपोर्ट की डिजाइन इस महीने के अंत तक आ जाएगी। अगस्त के अंतिम सप्ताह से ई-पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया आरंभ होगी। यह व्यवस्था लागू होने से नेपाल के नागरिक बिना सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटे घर बैठे आनलाइन अपना पासपोर्ट बनवा लेंगे। तीन साल के लिए पासपोर्ट जारी किए जाएंगे, जो नेपाल के भीतर एक सुरक्षा कवच का कार्य करेगा। इसमें लगी चिप में नागरिकों के सभी विवरण, फिंगरप्रिंट आदि दर्ज होंगे। नेपाल सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक सुरक्षा की दृष्टि से नेपाल सरकार ने यह कदम उठाया है। लाकडाउन के समाप्त होते ही ई-पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। इसका प्रारूप भारत में जारी होने वाले आधारकार्ड की तरह होगा। लेकिन इसकी वैधता की अवधि सिर्फ तीन साल के लिए निर्धारित की गई है।

फ्रांस की कंपनी बनाएगी ई पासपोर्ट

पासपोर्ट बनाने का जिम्मा फ्रांस की एक कंपनी को दिया गया है। दो करोड़ ११ लाख अमेरिकी डॉलर में ठेका ली फ्रांस की कंपनी अपने विशेष साफ्टवेयर से यह कार्य पूर्ण करेगी। पूरे विश्व में केवल सौ अग्रणी देश ही इस तरह के विशेष पासपोर्ट से लैस हैं। पासपोर्ट दो तरह के होंगे। जिसमे कामगार व पर्यटन उद्देश्य की भी जानकारी फीड होगी।

नेपाली ई पासपोर्ट से भारत को भी होगा फायदा

नेपाली ई पासपोर्ट से भारत को भी काफी फायदा होगा। आधुनिक ई पासपोर्ट में बायोमेट्रिक डाटा समाहित होने से भारत में आधार कार्ड बनवाने वाले नेपाली नागरिक पकड़ में आ जाएंगे। क्योंकि आधार कार्ड एक बायोमेट्रिक पंजीयन है। ई पासपोर्ट के बायोमेट्रिक डाटा को ग्लोबली मैच किया जाएगा। जिसमें विदेश मंत्रालय व दूतावास की मदद से अन्य देशों की आधुनिक बायोमेट्रिक आंकड़ों से मिलान होगा।

सीमा पर सख्ती, बेवजह आने-जाने वाले लोगों पर होगी कार्रवाई

भारत-नेपाल सीमा सील होने के बाद भी पगडंडियों के रास्ते हो रहे आवागमन को रोकने के लिए भारत व नेपाल के सुरक्षा बल सतर्क हो गए हैं। भारत-नेपाल सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। सशस्त्र सीमा बल व नेपाली एपीएफ के जवानों की संयुक्त टीम ने रविवार को खनुआ से सुंडी गांव तक गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बीओपी खनुआ सशस्त्र सीमा बल के जवान व एपीएफ नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम ने पिलर संख्या ५२२ से ५२४ तक गश्त कर आवागमन को पूर्ण रूप से बंद कर दिया।

सहायक कमांडेंट कृष्ण कुमार ने बताया कि पगडंडियों के रास्ते तस्करी की सूचनाएं मिल रहीं हैं। बेखौफ होकर लोग खुली सीमा का लाभ उठा कर आवाजाही कर रहे हैं। गश्त के दौरान कई लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उनके देश लौटा दिया गया। कुछ लोगों को फटकार भी लगाई गई। आगे से पगडंडी रास्ते अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलीस की वजह से बन रहा है अस्वच्छ, कुरुप और असुरक्षित खारघर

(पृष्ठ १ का शेष)

यहाँपर शराब की पार्टी करते है तो कुछ नौजवान युवक-युवतियाँ अश्लिल हरकत करने जाते है। यहाँ प्रवेशद्वारपर सुरक्षा कर्मी तैनात होते है। लेकीन उनकी तलाशी नही की जाती है। कई बार यहाँपर खुदकुशी एवं हत्याए जैसी घटनाँए घटी है। सरकारद्वारा खारघर उपनगर 'कोई शराब क्षेत्र नही' घोषीत किया गया है। कुछ साल पहले यहाँ एक शराब की दुकान को बंद करवाया गया था।

इसी वजहसे यहाँ के शराब प्रेमी अपनी शराब की प्यास बुझाने के लिए सी.बी.डी.बेलापूर या कामोठे क्षेत्र से शराब खरीदते है। यहाँ तक तो ठीक है, लेकीन आज की तारिख में खारघर उपनगर में गैर कानुनी रुप से हजारों लिटर शराब विक्री हो रही है। हमारे प्रतिनिधीने यहाँ आँखो देखा हाल देखा तो हक्काबक्का रह गया। तलोजा मध्यर्ती करागृह से कुछ ही दुरी पर खिडुकपाडा में एक धाबा चलाया जा रहा है। वहाँपर एक बियरबार/परमीटरुम से भी अधिक शराब खुले आम बेची जा रही है। इस धाबे पर शराबीयों को शराब पिने के लिए परमीटरुम जैसी व्यवस्था की गयी है। कमसे कम हजार दो हजार लोग यहाँ पर रोजाना शराब का लुप्त उठाने आते रहते है। ऐसे ही खारघर सेक्टर-२७ में रांजणपाडा में पाया नामक समाजकंटक अवैधरुपसे सेकडों लिटर शराब विक्री करता है। खारघर उपनगर सिर्फ सरकारी दस्ताऐवजोंपर 'कोई शराब क्षेत्र नही' घोषित हैं। यहाँपर नवी मुंबई में सबसे अधिक मात्रा में अवैध रुपसे शराब विक्री होती है।

महाराष्ट्र राज्य सरकारने कोरोना महामारी के चलते कडक निर्बंध जारी किये है। इन निर्बंधोंके तहत शाम ४.०० बजे के बाद अत्यावश्यक सेवाओंको छोडकर सभी दुकानोंको बंद रखनेका प्रावधान है। खाद्य पदार्थ विक्रे ता सिर्फ पार्सल सर्व्हिस दे सकते है। लेकीन यहाँ पुलीसकी भ्रष्ट मेहर नजर होने की वजहसे कई हॉटेल रात के समयतक खुले रहते है और लोगों को बैठकर खाना दिया जाता है। हमने पिछले अंक मे खारघर के हिरानंदाजी क्रिस्टल प्लाझा में चल रहे होटेलोंके बारे खबर प्रकाशित कि थी। लेकीन अभी तक कोई भी कानुनन कार्रवाई नही हुई है। शायद खारघर पुलीस थाणे के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक श्री. शत्रुघ्न माली साहब की यहाँपर दुकान है। जिसे खान नामक व्यक्ती चला रहा है ऐसी चर्चा है।

K 35 रेस्तराँ का मालिक लॉकडाऊन के कडक निर्बंधों को ठुकराकर चला रहा है

खारघर में ऐसे कई होटेल जिन के नाम यहाँपर उजागर कर है देर रात तक ग्राहकोंको सेवा प्रदान करते है।

१) साई आंगन प्लॉट नं.४४, सेक्टर-३५ डी

२) लकी दरबार-सेक्टर-३५डी

३) दिल्ली दरबार-फोर्चुन क्लासीक, सेक्टर-३५ इ

४) न्यू स्टर हॉटेल-मंजीरी, सेक्टर-३५ इ

५) एफ बी.डब्लू-क्रिष्णा टॉवर, सेक्टर-३५इ

यह तो कुछ नाम यहाँपर हमने लिखे है। वैसे कई जगर पर यह खुले आम हो रहा है। छोटे दुकानोंपर कानुनन कार्रवाई करनेवाले पनवेल महानगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी और वरिष्ठ पुलीस निरिक्षक श्री.शत्रुघ्न माली इसे नजर अंदाज क्यों कर रहे है? कुछ लोंगों ने अपना नाम ना बताने की शर्त पर बताया की श्री. माली साहब को आसानीसे मॅनेज किया जा सकता है।

कुछ लोगोंने तो यहाँ तक बताया कि,"पुलीस को सिर्फ पैसेसे मतलब है। कुछ भी करो खारघर की पुलीस बहुत अच्छी है। ले दे कर काम चलता है। चाहे आप १ नंबर का धंदा करो या २ नंबर का, कोई कार्रवाई नही होगी।" सच्चाई जानने के लिए हमने खारघर में भ्रमंती कि तो पाया भि यहाँ कई जगर पर स्पा/मसाज पार्लर है जहाँपर देह व्यापार चलता है। इसे भी पुलीस नजर अंदाज करती है (या जानकर भी अपनी जेब भर कर आँखे बंद करती है?) वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक श्री. शतुघ्न मालीने नवी मुंबई में पुलिस उपनिरिक्षक से अपने पुलीस सेवा शुरु कि और अब वे यहाँ पुरा खारघर पुलीस थाना के वरिष्ठ है। उन्हे यहाँ की चप्पेचप्पे की गतीविधीयोंका ज्ञान है। फिर भी श्री. माली पुलीस कर्तव्यनिष्ठा क्यो नही निभा रहे है? क्या उन्हे रुपयों का लालच है ज्यो उनके कर्तव्योंको आड आ रही है? या उन्हें का उनके आला अधिकारीयोंका या राजनैतिक दबाव है? ऐसे कई सवाल हम जनता के दरबार में पुछ रहे है। शत्रुघ्न माली साहब इन सवालों के जवाब आपको लोकसेवक इस नाते से देने होंगे। माली साहब लोकतंत्रके चौथे स्थंभ के हैसीयत से हम आपको आवाहन करते है यातो अपने वर्दी की लाज रखने के लिए कर्तव्योंका पालन करे या इस्तिफा दे कर कार्यमुक्त होकर कोई व्यवसायकेर जिससे आपकी रुपयोंकी हवस पुरी है। चयन आपको करना है।

Avenue Spa
Rejuvenate Your Body Mind & Soul
Monsoon OFFER
999/-
022-27700160
9137758221
Shop No.F-27, Haware Centurion Mall, 1st floor,
Plot No.88/91, Sector-19A, Seawoods (E) Navi Mumbai.

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीक प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर-१, नागसेन बु मंदिर रोड नं-३,तिलक नगर, चेम्बुर,मुंबई ४०००८९ से मुद्रित करका कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, किक्रोली (पू),मुंबई-४०००८३ से प्रकाशित किया। संपादक- सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७